

J.D (A)

21/11 22/9/14

संख्या: 1622/XXVIII-2/01(25)2012

प्रेषक,

ओम प्रकाश,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तराखण्ड, देहरादून ।

2895
22/9/14
D18 (MKM) / AOM / PO
20/9

चिकित्सा अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 19 सितम्बर, 2014

विषय: पी0एम0एच0एस0 संवर्ग के अन्तर्गत नियुक्त चिकित्साधिकारियों के लिए स्थानान्तरण नीति ।

महोदय,

उपरोक्त विषय पर मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चिकित्सा विभाग का कार्य मानव जीवन की सुरक्षा एवं संरक्षण से संबंधित है। चिकित्सकों का कार्य आवश्यक तथा अपरिहार्य प्रकृति का है। सम्प्रति विभाग में चिकित्सकों के काफी अधिक संख्या में पद रिक्त है। पर्वतीय/दुर्गम क्षेत्रों में चिकित्सकों की उपलब्धता कम होने के साथ-साथ निजी क्षेत्र में भी चिकित्सकों की उपलब्धता बहुत कम है। उत्तराखण्ड राज्य का सृजन भी पर्वतीय/दुर्गम क्षेत्र के निवासियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान किये जाने के उद्देश्य से किया गया था। इस परिप्रेक्ष्य में राज्य के पी0एम0एच0एस0 संवर्ग के अंतर्गत नियुक्त चिकित्साधिकारियों के स्थानान्तरण हेतु एतद्वारा पृथक स्थानान्तरण नीति प्रख्यापित की जा रही है। इस नीति का कार्मिक विभाग द्वारा सरकारी सेवकों के लिए जारी की गई वर्तमान में प्रवृत्त सामान्य वार्षिक स्थानान्तरण नीति के ऊपर अधिमानी प्रभाव होगा।

2- उपरोक्तानुसार सुगम तथा दुर्गम स्थानों को ध्यान में रखते हुए, पी0एम0एच0एस0 संवर्ग के चिकित्सकों के लिए स्थानान्तरण नीति निम्नवत् निर्धारित की जाती है:-

2.1 पूर्व में राज्य में स्थित चिकित्सा संस्थाओं को शासनादेश संख्या-322/XXVIII-2-2005-277/2002 दिनांक 01 अप्रैल, 2005 के द्वारा अतिदुर्गम व दुर्गम श्रेणी में चिन्हित किया गया था, वर्तमान में सभी चिकित्सा संस्थाओं को, रेलवे हैड से दूरी के आधार पर सुगम/दुर्गम के रूप में श्रेणी 01 से 05 तक चिन्हित किया जा रहा है। इस वर्गीकरण में रेलवे हैड से 25 कि0मी0 से अधिक दूरी पर

AO-2/800-I

22/9/14
gm

1

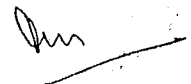
स्थित पर्वतीय स्थानों को दुर्गम तथा जनपद-हरिद्वार सम्पूर्ण, ऊधमसिंह नगर सम्पूर्ण एवं पौड़ी/नैनीताल/देहरादून/चम्पावत के तराई/मैदानी क्षेत्र को सुगम में वर्गीकृत किया गया है। चिकित्सा संस्थाओं को भी उनके द्वारा दी जा रही चिकित्सा सुविधाओं के आधार पर 05 स्तरों (L-1 से L-5) में वर्गीकृत किया गया है (संलग्नक-1)। उत्तराखण्ड राज्य में स्थित चिकित्सा संस्थाओं का संख्यावार विवरण संलग्नक-2 पर है। चिकित्साधिकारियों की श्रेणी के अनुसार तैनाती हेतु निर्धारित चिकित्सालय का स्तर, सुगम तथा दुर्गम क्षेत्र की श्रेणी एवं अवधि का विवरण संलग्नक-3 पर है।

- 2.2 नवनियुक्त चिकित्साधिकारी को प्रथम नियुक्ति अनिवार्यतः क्रमानुसार दुर्गम क्षेत्र के श्रेणी-5, 4, 3, 2, 1 में स्तर-1 (L-1) के चिकित्सालयों में ज्येष्ठता के आरोही क्रम (कनिष्ठतम से ज्येष्ठतम) में दी जायेगी। 02 वर्ष की अनिवार्य सेवा अवधि समाप्त होने पर, विकल्प के आधार पर सुगम क्षेत्रों में, ज्येष्ठता क्रम में, रिक्तियों के आधार पर यथाउपलब्धता तैनाती दी जायेगी।
- 2.3 चिकित्साधिकारी ग्रेड-1 के पद पर प्रोन्नत होने वाले चिकित्सकों को प्रथम तैनाती दुर्गम क्षेत्र के श्रेणी-4, 3, 2, 1 में स्तर-1, 2 (L-1, 2) के चिकित्सालयों में ज्येष्ठता के आरोही क्रम (कनिष्ठतम से ज्येष्ठतम) में दी जायेगी। 02 वर्ष की अनिवार्य सेवा अवधि समाप्त होने पर, विकल्प के आधार पर सुगम क्षेत्रों में, ज्येष्ठता क्रम में, रिक्तियों की उपलब्धता के आधार पर स्थानान्तरण किया जायेगा।
- 2.4 वरिष्ठ चिकित्साधिकारी के पद पर प्रोन्नत होने वाले चिकित्सकों को प्रथम तैनाती दुर्गम क्षेत्र के श्रेणी-3, 2, 1 में स्तर- 3, 4, 5 (L-3, 4, 5) के चिकित्सालयों में ज्येष्ठता के आरोही क्रम (कनिष्ठतम से ज्येष्ठतम) में दी जायेगी। 02 वर्ष की अनिवार्य सेवा अवधि समाप्त होने पर, विकल्प के आधार पर सुगम क्षेत्रों में, ज्येष्ठता क्रम में, रिक्तियों की उपलब्धता के आधार पर स्थानान्तरण किया जायेगा।
- 2.5 संयुक्त निदेशक के पद पर प्रोन्नत होने वाले चिकित्सकों को प्रथम तैनाती दुर्गम क्षेत्र के श्रेणी-2, 1 में स्तर- 4, 5 (L-4, 5) के चिकित्सालयों में ज्येष्ठता के आरोही क्रम (कनिष्ठतम से ज्येष्ठतम) में दी जायेगी। 02 वर्ष की अनिवार्य सेवा अवधि समाप्त होने पर, विकल्प के आधार पर सुगम क्षेत्रों में, ज्येष्ठता क्रम में, रिक्तियों की उपलब्धता के आधार पर स्थानान्तरण किया जायेगा।
- 2.6 उक्त के अतिरिक्त 20 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के उपरान्त, उच्चतर पदों पर पदोन्नति के फलस्वरूप होने वाले स्थानान्तरण/पदस्थापना हेतु शासन स्तर से सम्यक् विचारोपरान्त निर्णय लिया जायेगा।



3- स्थानान्तरण हेतु शर्तें/समितियां:-

- 3.1 सम्बन्धित चिकित्सकों को प्रत्येक दशा में उक्त निर्धारित श्रेणी के चिकित्सालयों में निर्धारित न्यूनतम अवधि तक रहना अनिवार्य होगा।
- 3.2 सम्बन्धित चिकित्सकों द्वारा दुर्गम श्रेणियों के चिकित्सालय में स्थानान्तरण की दशा में, योगदान आख्या दिये जाने के बाद ही आगामी स्थानान्तरण हेतु 04 विकल्प दिए जा सकेंगे। विकल्प के आधार पर, होने वाले स्थानान्तरण दुर्गम क्षेत्रों में निर्धारित अवधि पूर्ण करने के उपरान्त ही प्रभावी होंगे।
- 3.3 कोई भी चिकित्सक स्वेच्छा से पर्वतीय क्षेत्रों में स्थित दुर्गम श्रेणी-2,3,4,5 के चिकित्सालय में निर्धारित समय सीमा से अधिक अवधि तक रह सकता है, बशर्ते उसके विरुद्ध कोई प्रशासनिक व अन्य शिकायत न हो।
- 3.4 प्रत्येक वर्ष 30 जून की तिथि को आधार मानते हुए स्थानान्तरण हेतु सेवा अवधि आगणित की जायेगी। 30 अप्रैल तक स्थानान्तरण सम्बन्धी समस्त औपचारिकतायें अनिवार्य रूप से पूर्ण कर ली जायेंगी।
- 3.5 दुर्गम क्षेत्रों में होने वाले स्थानान्तरण/पदस्थापना के आदेश में ही यह अंकित कर दिया जायेगा कि 02 वर्ष पूर्ण होते ही सम्बन्धित चिकित्सक स्वयं कार्यमुक्त हो जायेंगे और उनके द्वारा महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के कार्यालय अथवा नई तैनाती स्थल में योगदान दिया जायेगा। महानिदेशक, उनके द्वारा दिए गए विकल्पों पर विचार करते हुए, वरिष्ठता क्रम में रिक्ति की उपलब्धता के आधार पर स्थानान्तरण हेतु अग्रतत्तर कार्यवाही करेंगे।
- 3.6 दुर्गम क्षेत्रों में प्रथम नियुक्ति एवं तदन्तर प्रोन्नतियों पर प्रथम तैनाती ज्येष्ठता के आरोही क्रम (कनिष्ठतम से ज्येष्ठतम) में की जायेगी।
- 3.7 सामान्य व्यवस्था के अन्तर्गत वार्षिक स्थानान्तरण प्रत्येक दशा में 30 अप्रैल तक कर दिये जायेंगे। पदोन्नति के उपरान्त एवं प्रशासनिक आधार पर स्थानान्तरण वर्ष में कभी भी किये जा सकेंगे। इन स्थानान्तरणों के लिए भी इस नीति के अन्तर्गत गठित समितियों की संस्तुति की व्यवस्था लागू रहेगी।
- 3.8 पारस्परिक स्थानान्तरण एवं अनुरोध के आधार पर प्रस्तावित स्थानान्तरण एक ही श्रेणी में स्थित चिकित्सालयों में किये जायेंगे।
- 3.9 पति एवं पत्नी को जहां तक सम्भव हो एक ही जनपद में एक ही श्रेणी के चिकित्सालय में तैनात किया जायेगा।
- 3.10 चिकित्सक व उसके परिवार के सदस्यों की गम्भीर बीमारी की दशा में, सम्बन्धित चिकित्सक द्वारा अधिकृत मेडिकल बोर्ड का चिकित्सा प्रमाण पत्र प्रस्तुत किये जाने पर, वांछित स्थानों में तैनाती हेतु रिक्ति की उपलब्धता के दृष्टिगत ज्येष्ठताक्रम में वरीयता के आधार पर विचार किया जायेगा। यहां परिवार का



- तात्पर्य चिकित्सक की पति/पत्नी, पुत्र एवं अविवाहित पुत्रियों से होगा। इसमें चिकित्सक के माता, पिता, बहन, भाई तथा अन्य संबंधी सम्मिलित नहीं होंगे।
- 3.11 ऐसे चिकित्साधिकारी, जिन्होंने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को 55 वर्ष की आयु पूरी कर ली हो, केवल स्वेच्छिक विकल्प के आधार पर ही, पर्वतीय/दुर्गम क्षेत्रों में तैनाती दी जायेगी।
- 3.12 यदि सेवानिवृत्ति में दो वर्ष का समय शेष रह गया हो तो सम्बन्धित चिकित्सक का स्थानान्तरण जहां तक सम्भव हो आवेदन के आधार पर इच्छित स्थान में किये जाने पर विचार किया जायेगा।
- 3.13 प्रतिकूल तथ्य न होने पर किसी भी चिकित्साधिकारी को Clinical प्रकृति के पदों पर उनके गृह जनपद/गृह विकास खण्ड में भी तैनाती दी जा सकती है परन्तु प्रशासनिक एवं संवेदनशील प्रकृति के पदों पर यह व्यवस्था नहीं लागू होगी।
- 3.14 इस नीति के अन्तर्गत पर्वतीय दुर्गम क्षेत्रों में चिकित्सकों की तैनाती अति०प्रा०स्वा० केन्द्र/राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालयों/जिला चिकित्सालय/संयुक्त चिकित्सालय/सा०स्वा०केन्द्र (प्रथम सन्दर्भण इकाई) में की जायेगी एवं प्रत्येक चिकित्सा संस्था द्वारा प्रदत्त की जाने वाली चिकित्सा सुविधाओं को आधार बनाते हुए विशेषज्ञों की तैनाती कर एक सम्पूर्ण टीम के गठन का यथासम्भव प्रयास किया जायेगा।
- 3.15 चिकित्सा अधिकारी, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी तथा संयुक्त निदेशक श्रेणी के अधिकारियों का वार्षिक स्थानान्तरण शासन द्वारा गठित निम्न समिति की संस्तुति के आधार पर किया जायेगा:-
- | | |
|--------------------------------|------------|
| महानिदेशक | अध्यक्ष |
| निदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य | सदस्य सचिव |
| निदेशक राष्ट्रीय कार्यक्रम | सदस्य |
| मण्डलीय निदेशक | सदस्य |
- स्थानान्तरण सूची शासन को अनुमोदनार्थ उपलब्ध करायी जायेगी।
- 3.16 संयुक्त निदेशक स्तर के चिकित्सा अधिकारियों के अनुशासन एवं प्रशासनिक आधार पर होने वाले स्थानान्तरण शासन स्तर से ही किए जायेंगे।
- अपर निदेशक तथा निदेशक स्तर के अधिकारियों के स्थानान्तरण निम्न समिति की संस्तुति के आधार पर किये जायेंगे:-
- | | |
|---------------------|---------|
| सचिव/प्रमुख सचिव | अध्यक्ष |
| अपर सचिव, स्वास्थ्य | सदस्य |
| महानिदेशक | सदस्य |



निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य

सदस्य सचिव

निदेशक राष्ट्रीय कार्यक्रम

सदस्य

स्थानान्तरण सूची विभागीय मंत्री जी के अनुमोदनार्थ प्रेषित की जायेगी।

3.17 उपरोक्त वर्णित शर्तों के अलावा अपरिहार्य परिस्थिति में स्थानान्तरण प्रस्तावों पर विचार किये जाने हेतु समिति निम्नवत् होगी:-

मुख्य सचिव

अध्यक्ष

प्रमुख सचिव/सचिव कार्मिक

सदस्य

प्रमुख सचिव/सचिव स्वास्थ्य

सदस्य

अपर सचिव, स्वास्थ्य

सदस्य सचिव

महानिदेशक

सदस्य

समिति की संस्तुति पर विभागीय मंत्री जी के माध्यम से मा0 मुख्यमंत्री जी का अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा।

3.18 प्रत्येक समिति में प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाने से पूर्व विभाग, सम्पूर्ण विवरण/तथ्य एवं स्पष्ट मन्तव्य समिति के समक्ष प्रस्तुत करेगा।

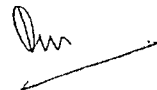
3.19 मुख्य चिकित्साधिकारी एवं प्रमुख/मुख्य चिकित्सा अधीक्षक अपने नियन्त्रणाधीन सम्बन्धित चिकित्सालयों में चिकित्सकों के वार्षिक स्थानान्तरण का प्रस्ताव तैयार करने का कार्य 01 मार्च से आरम्भ कर अप्रैल के प्रथम सप्ताह तक प्रस्ताव महानिदेशालय को उपलब्ध करायेगें। प्राप्त प्रस्ताव का परीक्षण महानिदेशालय स्तर पर करने के उपरान्त प्रस्ताव शासन को यथाशीघ्र अग्रिम कार्यवाही हेतु उपलब्ध कराया जायेगा।

3.20 सामान्य व्यवस्थाओं के अन्तर्गत स्थानान्तरण हेतु निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के उपरान्त सभी चिकित्सकों के स्थानान्तरण प्रस्तावों पर मा0 विभागीय मंत्री जी के माध्यम से मा0 मुख्यमंत्री जी का अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा।

4-प्रोत्साहन:-

4.1 यदि किसी चिकित्सक का पर्वतीय क्षेत्र (जिला मुख्यालय को छोड़कर) में स्थानान्तरण होता है तथा वे अपने परिवार को अन्यत्र शहर में रखते हैं, तो ऐसे चिकित्सकों को मकान किराया भत्ता उस श्रेणी के शहर का अनुमन्य होगा, जहां पर उनका परिवार निवास कर रहा है।

4.2 पर्वतीय/दुर्गम क्षेत्र में स्थानान्तरित किए गए ऐसे चिकित्सकों जिन्हें सरकारी आवास आवंटित किया गया है, और वे स्थानान्तरण के फलस्वरूप अपने परिवार को पूर्व के स्थान पर रखना चाहते हैं, तो उनसे सरकारी आवास खाली नहीं कराया जायेगा।



- 4.3 पर्वतीय/दुर्गम क्षेत्र में की जाने वाली सेवा पर सम्बन्धित चिकित्सक के मूल वेतन (ग्रेड पे को छोड़कर) की 20 प्रतिशत धनराशि अतिरिक्त रूप से व्यक्तिगत वेतन के रूप में दी जायेगी परन्तु अन्य भत्तों की गणना में इस अतिरिक्त रूप से दी गई धनराशि को आधार नहीं माना जायेगा। यह अतिरिक्त भत्ता विभाग में चिकित्सकों के कुल स्वीकृत पदों के 75 प्रतिशत पदों पर नियमित नियुक्तियां हो जाने तक ही दिया जायेगा।

5-प्रकीर्ण:-

- 5.1 कार्यरत सरकारी चिकित्सक द्वारा विभागीय व्यय पर डिप्लोमा व स्नातकोत्तर प्रशिक्षण (Diploma/PG) पूर्ण करने पर अनिवार्यतः दुर्गम स्थानों पर न्यूनतम 02 वर्ष के लिए तैनाती दी जायेगी।
- 5.2 दन्त शल्यक संवर्ग के चिकित्सा अधिकारी भी इसी स्थानान्तरण नीति से आच्छादित होंगे।
- 5.3 महानिदेशालय स्तर पर सभी चिकित्सकों के सेवा विवरण के आधार पर, एक डाटा बैंक तैयार किया जायेगा, जिसमें प्रत्येक चिकित्सक की समयावधि सहित तैनाती का विवरण रखा जायेगा। यह विवरण इस नीति के अन्तर्गत चिह्नित सुगम/दुर्गम चिकित्सालयों के आधार पर रखा जायेगा। स्थानान्तरण समिति की बैठक में महानिदेशक द्वारा अनिवार्य रूप से यह विवरण प्रस्तुत किया जायेगा।
- 5.4 स्थानान्तरण रोकने के लिए प्रत्यावेदन एवं सिफारिश-यदि स्थानतरित अधिकारी द्वारा स्थानान्तरण रोकने के लिए अपने माता-पिता, पत्नी अथवा अन्य सम्बन्धितों के द्वारा प्रत्यावेदन प्रेषित किये जाते हैं तो उसे अनिवार्य रूप से उस अधिकारी की व्यक्तिगत पत्रावली में रखा जायेगा तथा ऐसे प्रत्यावेदन को अग्रसारित नहीं किया जायेगा तथा ऐसे अधिकारी को विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि दी जायेगी।
- 5.5 यदि स्थानान्तरित अधिकारी द्वारा अपने स्थानान्तरण को रोकने के लिए स्वयं प्रत्यावेदन दिया जाता है तो ऐसे प्रत्यावेदनों पर स्थानान्तरण हेतु गठित कमेटी द्वारा ही विचार किया जायेगा।

6-प्रशासनिक आधार पर किये जाने वाले स्थानान्तरण:-

- 6.1 गम्भीर शिकायतों, उच्चाधिकारियों से दुर्व्यवहार एवं कार्य में अभिरूचि न लेने आदि के आधार पर ही आवश्यक पुष्टि के उपरान्त प्रशासनिक आधार पर स्थानान्तरण किया जायेगा।



6.2 उक्त स्थानान्तरण आदेश में "प्रशासनिक आधार पर" अंकित किया जाना आवश्यक होगा।

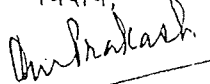
7-भारगदर्शक सिद्धान्त:-

- 7.1 संदिग्ध सत्यनिष्ठा वाले अधिकारियों की तैनाती संवेदनशील पदों पर कदापि नहीं की जायेगी।
- 7.2 नियुक्ति प्राधिकारी अथवा नियंत्रक प्राधिकारी का यह दायित्व होगा कि स्थानान्तरित होने वाले चिकित्सक को आदेश निर्गत होने की तिथि के 07 दिन के अन्दर कार्यमुक्त कर दे।
- 7.3 यदि कोई चिकित्सक आदेश जारी होने के 07 दिन के अन्दर कार्यमुक्त नहीं होता है तो उसे 07 दिन पूरे होने के पश्चात् स्वतः कार्यमुक्त समझा जायेगा और यदि निर्धारित तिथि तक स्थानान्तरण वाली जगह योगदान नहीं दिया जाता है, तो इस अवधि के लिए कोई वेतन देय नहीं होगा। परन्तु यह की उसने नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने हेतु की गयी यात्रा की सामान्य अवधि को आगणित नहीं किया जायेगा।
- 7.4 उपरोक्त निर्देशों का अनुपालन न होने की दशा में सम्बन्धित कार्मिक के विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।
- 7.5 स्थानान्तरण आदेश निर्गत होने के उपरान्त, किसी प्रकार का अवकाश सम्बन्धित कार्मिक को स्वीकृत नहीं किया जायेगा। इस हेतु नियंत्रक प्राधिकारी पूर्णतः जिम्मेदार होंगे।
- 7.6 स्थानान्तरण अवधि के दौरान लिए जाने वाले चिकित्सा अवकाश के सम्बन्ध में मेडिकल बोर्ड से कम का प्रमाण-पत्र स्वीकार नहीं किया जायेगा।
- 7.7 यदि स्थानान्तरण निर्गत होने के उपरान्त, चिकित्सा अवकाश लिया जाता है, तो ऐसे प्रकरण मेडिकल बोर्ड को 03 दिन के भीतर सन्दर्भित कर दिए जायेंगे। यदि मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी प्रमाण-पत्र अवकाश के आवेदन में संलग्न नहीं किया जाता है, तो सम्बन्धित अधिकारी को मेडिकल बोर्ड के सम्मुख उपस्थित होने हेतु तत्काल निर्देशित किया जायेगा।
- 8- यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे। उपरोक्त निर्देशों का सभी स्तरों पर कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।



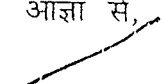
9- यह आदेश वित्त विभाग द्वारा पत्रावली संख्या: 01(25)/2012 के पृष्ठ 50 पर दिनांक 16.09.2014 को प्राप्त उनकी सहमति के क्रम में निर्गत किए जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(ओम प्रकाश)
प्रमुख सचिव

संख्या: 1622(1)/XXVIII-2/01(25)2012, तद्दिनांक।

- प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-
1. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
 2. अपर मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
 3. अपर मुख्य सचिव (वित्त)/सचिव (वित्त), उत्तराखण्ड शासन।
 4. समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
 5. मण्डलायुक्त, कुमांऊ मण्डल/गढ़वाल मण्डल, नैनीताल/पौड़ी।
 6. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
 7. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
 8. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
 9. निजी सचिव, मा० मंत्री जी, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
 10. अधिशासी निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
 11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(अनिल जोशी)
अनु सचिव

शासनादेश संख्या: 1622/XXVIII-2/01(25)2012, दिनांक 19 सितम्बर, 2014 का

संलग्नक-1

उत्तराखण्ड में स्थित चिकित्सा इकाईयों का वर्गीकरण।

मद	क० सं०	दूरी	श्रेणी
1. रेलवे हैड से दूरी (कि०मी० में)	1.	25 कि०मी० तक	सुगम
	2.	26 कि०मी० से अधिक किन्तु 150 कि०मी० तक	दुर्गम-1
	3.	151 कि०मी० से अधिक किन्तु 200 कि०मी० तक	दुर्गम-2
	4.	201 कि०मी० से अधिक किन्तु 250 कि०मी० तक	दुर्गम-3
	5.	251 से अधिक किन्तु 300 कि०मी० तक	दुर्गम-4
	6.	300 से अधिक	दुर्गम-5

'सुगम व दुर्गम को वर्गीकृत किये जाने हेतु, रेलवे हैड से दूरी को मुख्य आधार रखा गया है।

चिकित्सालयों के स्तर (लेबल) का निर्धारण

क० सं०	चिकित्सालय	स्तर
1.	राजकीय ऐलोपैथिक चिकित्सालय/अति० प्रा० स्वा०केन्द्र /स्कूल हैल्थ डिस्पेन्सरी, देहरादून/हाईकोर्ट डिस्पेन्सरी, नैनीताल/सचिवालय/विधानसभा/उत्तराखण्ड निवास डिस्पेन्सरी, हैल्थ पोस्ट/नगरीय परिवार कल्याण केन्द्र, एम०एल० सी० यू०	एल-1
2.	ग्रामीण महिला चिकित्सालय/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/ आई०डी०एच० /मोबाइल युनिट/टी०बी० क्लीनिक /चिकि०/सैनेटोरियम /लैप्रोसी हास्पिटल	एल-2
3.	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र/मानसिक चिकित्सालय	एल-3
4.	जिला चिकित्सालय/महिला चिकित्सालय/संयुक्त चिकित्सालय	एल-4
5.	बेस चिकित्सालय/दून चिकि० देहरादून/महिला चिकित्सालय, देहरादून /पी०डीन दयाल उपाध्याय राज०चिकि०,देहरादून (कारोनेशन)/राजकीय मेडिकल कालेज	एल-5

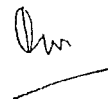


शासनादेश संख्या: 1622/XXVIII-2/01(25)2012, दिनांक 14 सितम्बर, 2014 का

संलग्नक-2

उत्तराखण्ड राज्य में स्थित राजकीय चिकित्सा संस्थाओं का दुर्गम व सुगम का संख्यावार विवरण

क्र० सं०	चिकित्सालय का स्तर	दुर्गम 1	दुर्गम 2	दुर्गम 3	दुर्गम 4	दुर्गम 5	सुगम	योग
1	एल-1							
	राजकीय एलो0 चिकित्सालय	161	71	36	18	10	25	321
	अतिरिक्त प्रा0स्वा0केन्द्र	75	45	19	7	1	67	214
	स्कूल हैल्थ डिस्पेन्सरी						1	1
	हाई कोर्ट डिस्पेन्सरी व अन्य चिकि0	1					3	4
	हैल्थ पोस्ट						9	9
	नगरीय प0क0 केन्द्र						3	3
	एम0एल0सी0यू	6	2	1			6	15
	योग	243	118	56	25	11	114	567
	एल-2							0
	ग्रामीण महिला चिकित्सालय	15	4	2	1		1	23
	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	26	7	3			4	40
	आई0डी0एच0,	1					1	2
	मोबाइल यूनिट,	1	1	1				3
	टी0बी0क्लीनिक, /चिकि0/क्षय रोगाश्रम	8	2	2			6	18
	लैप्रोसी चिकित्सालय,	1					1	2



	ब्रह्मपुरी							
	योग	52	14	8	1	0	13	88
	एल-3							0
	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र	30	7	5	3		14	59
	मानसिक चिकि० सेलाकुई						1	1
	योग	30	7	5	3	0	15	60
	एल-4							0
	जिला चिकित्सालय	7	2	1			2	12
	महिला चिकित्सालय	4					2	6
	संयुक्त चिकित्सालय	5					9	14
	योग	16	2	1	0	0	13	32
5	एल-5							0
	बेस चिकित्सालय	2					1	3
	दून चिकित्सालय						1	1
	दून महिला चिकित्सालय						1	1
	पं०लीन दयाल उपाध्याय चिकित्सालय						1	1
	राजकीय मेडिकल कालेज	1					1	2
	योग	3	0	0	0	0	5	8
	महायोग	344	141	70	29	11	160	755



शासनादेश संख्या: 1622/XXVIII-2/01(25)2012, दिनांक 19 सितम्बर, 2014 का

संलग्नक-3

चिकित्साधिकारियों की श्रेणी के अनुसार तैनाती हेतु निर्धारित चिकित्सालय का स्तर, सुगम तथा दुर्गम क्षेत्र की श्रेणी एवं अवधि का विवरण

क्र.सं.	चिकित्सा संवर्ग			
	वेतनमान/ग्रेड पे	दुर्गम/सुगम	तैनाती की अवधि	चिकित्सालय का स्तर
1	वेतन बैंड 3 सादृश्य वेतनमान रू0 15600-39100 ग्रेड पे रू0 5400/- (चिकित्साधिकारी)	दुर्गम-5,4,3,2,1	02 वर्ष	L-1
		सुगम	02 वर्ष	
2	वेतन बैंड 3 सादृश्य वेतनमान रू0 15600-39100 ग्रेड पे रू0 6600/- (चिकित्साधिकारी ग्रेड-1)	दुर्गम-4,3,2,1	02 वर्ष	L-1, L-2
		सुगम	02 वर्ष	
3	वेतन बैंड 3 सादृश्य वेतनमान रू0 15600-39100 ग्रेड पे रू0 7600/- (वरिष्ठ चिकित्साधिकारी)	दुर्गम-3,2,1	02 वर्ष	L-3, L4, L-5
		सुगम	03 वर्ष	
4	वेतन बैंड-4 सादृश्य वेतनमान रू0 37400-67000 ग्रेड पे रू0 8700/- (संयुक्त निदेशक)	दुर्गम-2,1	02 वर्ष	L-4, L-5
		सुगम	05 वर्ष	

सुगम क्षेत्रों में तैनाती/स्थानान्तरण सम्बन्धित चिकित्सक द्वारा दिये गये 4 विकल्पों के दृष्टिगत, उपलब्ध रिक्तियों के आधार पर ज्येष्ठता के क्रम में की जायेगी।

